अनुक्रमणिका

अध्याय- 1

1.1 (अ) ब्रज का परिचय एवं क्षेत्र निर्धारण **1-9**

- ब्रज शब्द व्युत्पत्ति
- नामकरण
- ब्रज की भौगोलिक सीमा एवं क्षेत्र निर्धारण
- ब्रज भाषा की विकास यात्रा का संक्षिप्त परिचय

1.2 (ब) ब्रज के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक परिदृश्य **10-23**

- ब्रज के ऐतिहासिक परिदृश्य
- ब्रज के सांस्कृतिक परिदृश्य
- ब्रज के धार्मिक परिदृश्य
- निष्कर्ष

अध्याय- 2

2.1 (अ) लोकसाहित्य का परिचय एवं वर्गीकरण **24-42**

- लोकगीत
- लोककथा
- लोकगाथा
- लोकनाट्य
- लोकसुभाषित आदि का परिचय उदाहरण सहित

2.1 (ब) ब्रज लोकसाहित्य का स्वरूप एवं विकास **43-80**

- ब्रज लोकगीत
- ब्रज लोककथा
- ब्रज लोकगाथा
- ब्रज लोकनाट्य
- ब्रज लोकसुभाषित आदि का परिचय उदाहरण सहित
- **निष्कर्ष**

अध्याय- 3

- **नारी चेतना से तात्पर्य** **85-104**

  ब्रज लोकगीतों में नारी वेदना

  (संस्कार गीत, ऋतु गीत, विवाह गीत, श्रम गीत आदि में पीड़ा युक्त गीतों का वर्णन)

- **ब्रज लोकगीतों में नारी चेतना का स्वर** **105-142**

  ब्रज लोकगीतों में नारी अस्मिता का बोध

- **निष्कर्ष**

अध्याय- 4

4.1 (अ) आधुनिक युग और लोकसाहित्य **145-150**

- आधुनिक युग और लोकसाहित्य के विषय में विद्वानों के मत
- लोकसाहित्य का अस्तित्व
- भविष्य में लोकसाहित्य

4.2 (ब) लोकसाहित्य का संकलन एवं संरक्षण **151-168**

- प्रकाशित एवं अप्रकाशित लोकसाहित्य
- पुनरावृत्ति एवं नवीन भाषिक बदलाव
- निष्कर्ष
- साक्षात्कार
- **उपसंहार** **169**
- **परिशिष्ट** **172**